



མོན་པ། ཡིག་ཀྱི། मोनपा भाषा प्रवेशिका MONPA PRIMER



CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्लिक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला epathshala.nic.in के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।



प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें

क्यूआर कोड स्कैनर विंडो को तैयार रखें

स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें

लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें

उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—
<https://epathshala.nic.in/topics.php> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

 दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। दीक्षा का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।



अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें

अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी

पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें

क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें

कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें

क्लिक करके क्यूआर कोड से संबंधित ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—
<https://diksha.gov.in/resources> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।



“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

མོན་པ། ཡིག་ཀློང་།
मोनपा भाषा प्रवेशिका
MONPA PRIMER



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training
Sri AurobindoMarg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

མོན་པ། ཡིག་ལ།

मोनपा भाषा प्रवेशिका

MONPA PRIMER

A basal reader of Monpa alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani

Shailendra Mohan

Aleendra Brahma

Jewsnrang Basumatary

ISBN: 978-81-971148-8-5

First Edition: December, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K

Cover Photo: Monpa Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.



संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy



संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

दिसंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

दिसंबर 2024

मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन

निदेशक

भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Monpa Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi

Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru

Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT,
New Delhi

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi

Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Co-Coordiators

Salam Brojen Singh, RP (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre (NERLC),
(CIIL), Guwahati

Pinki Wary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati

Resource Persons

Kesang Tashi, Monpa Language Consultant, Tawang, Arunachal Pradesh

Lobsang Zimba, Research Scholar, Dept of Chemistry, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh

Thupten Thinley, Monpa Language Consultant, Tawang, Arunachal Pradesh

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru

Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages
(SPPEL), CIIL, Mysuru

Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

HOW TO USE MONPA PRIMER

The National Education Policy 2020 and the National Curriculum Framework, 2022, focus on the importance of imparting education to children aged three to eight years, in their mother tongue, home language, local language and regional language. This primer has been specially designed and prepared for the development of oral language of children and to ensure that a child understands, learns and communicates without any hesitation. To enhance children's oral language skills, short songs or rhymes consisting of two to three sentences have been included in each of the individual letter lessons. Teachers can engage children in discussions by singing and reading these songs or rhymes aloud. Keeping in mind the three language formula, and India being a linguistically diverse country, this primer also helps children in learning words not only in their mother tongue but also gets familiarise with another language. For example, the word *Koh* (ཁོ) in Monpa is translated into English as **Door**. This enables children to enhance their knowledge and at the same time, accept about India and its diversity from their tender age. Apart from language learning, this book also introduces sounds, alphabets, reading and writing practice for the children.

Sound introduction: Children will say the name of the object after seeing the picture. The teacher will ask, what sound does the name of the picture begin with? For instance, after seeing the picture *Koh* (ཁོ), children will recognize that it starts with the sound *Ka* (ཀ).

Alphabet Introduction: The teacher will first tell the children, how the alphabet looks. A Child will be asked to identify the letter *Ka* (ཀ) from some given words. Out of three-four words, children will pronounce the sound of the letter *Ka* (ཀ) and practice writing the letter *Ka* (ཀ).

Reading: Children will look at pictures and say words in their own language. Children will read *Koh* (ཁོ) by moving their finger from left to right of that word. By reading other words, especially the words where *Ka* (ཀ) occurs, children will recognize and pronounce *Ka* (ཀ). The teacher will tell about the occurrence of *Ka* (ཀ) at the beginning, middle and end of the word. While reading *Ka* (ཀ) on the black board, the teacher will also write three-four other words along with the word *Koh* (ཁོ). The teacher will call the children one by one.

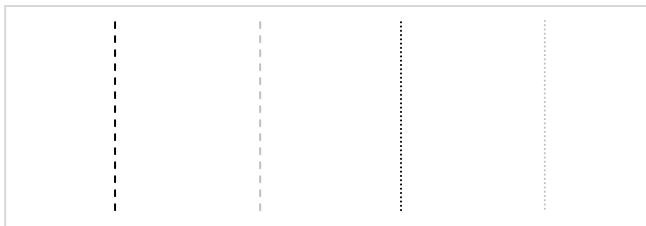
To introduce alphabets, words, and sounds to the child, the primer attempts to make use of the words, which are familiar to children. Child will be able to recognize these words by looking at the pictures in the book. Child will feel comfortable in reading this primer in their own language. The teacher will write a word and ask children to read each letter of it separately, and to read the word by joining the letters, as well. When a child reads a word, other children will join him and repeat the word, this is called 'collective reading'.

Writing: Teachers will first teach children to write *Ka* (ཀ) of the word *Koh* (ཁོ). The teacher will demonstrate how to move the pen to write from left to right. This is called *supporting writing*. After that, the children will write *Ka* (ཀ) themselves after looking at the other letters in the blank space given in the book. Teachers will assist children while they are reading and writing.

For the development of the oral language of children, small poems of three-six sentences have been written in each page. The teacher will discuss it with the children by singing and reading it. After reading the children's story book available in the school library, teacher will discuss the story in children's language. Remember, one should tell stories and poems to the children in their mother tongue.

མྱ་ང་བི་སུ་ཐིག་ཙད་ཀ་ཏེ་ཡ་བྲི་ལ།

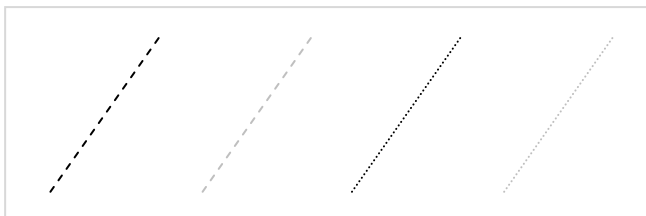
ཡུར་བཟུར་རང་པོ་ཐི། :



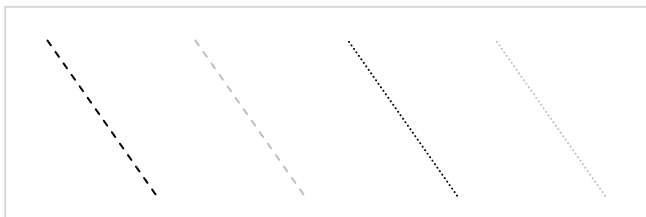
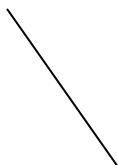
ཐོར་ཚུར་རང་པོ་ཐི། :



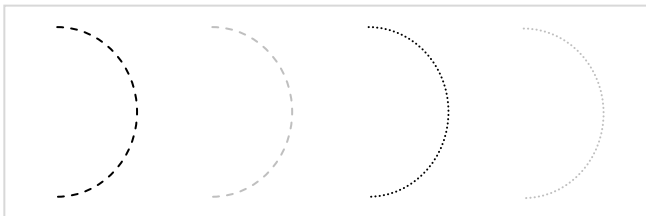
ཁལ་ས་ཀ་པེང་ཀྱ་ཐི། :



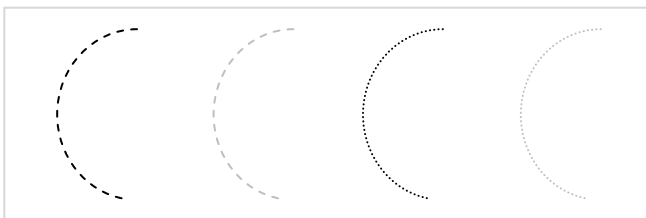
གཡོན་ཀ་པེང་ཀྱ་ཐི། :



གཡས་ཀ་གྱི་རུ་ཐི། :



གཡོན་ཀ་གྱི་རུ་ཐི། :



དགེ་ཚན་སེས་སྒྲུ་གྱ་ཟོང་རྒྱ་ནིས་རམ་བཤོག་རྒྱ་ལེབ་བིད་དགོས་སུམ།

ཅུངས།

(Vowel Letters)



བྱང་གནས།

(Consonant Letters)

ཀ་ ཁ་ ག་ ང་།

ཅ་ ཆ་ ཇ་ ཉ།

ཏ་ ཐ་ ད་ ན།

པ་ ཕ་ བ་ མ།

ཙ་ འ་ ར་ ཤ།

ཞ་ ཌ་ ཡ་ ལ།

ར་ ལ་ ཌྷ ས།

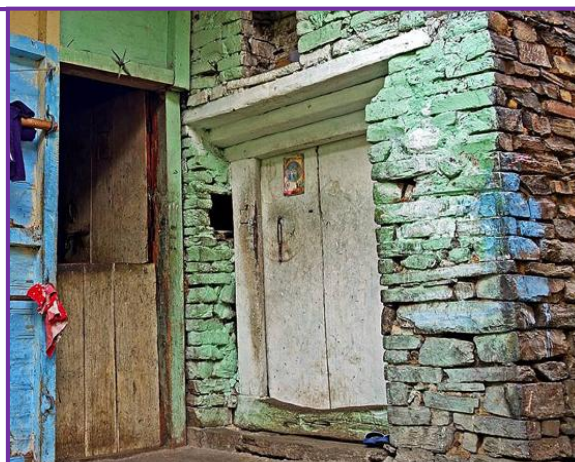
ཏ་ ཨ།

ཀ་

ཀོ

Door

ཀོ་རོང་ང་ཀོ།
ཀོ་རྒྱལ་ཁ་ལམ་ཀ།
ལམ་ཀ་ནིང་ང་ཀུ་ཀེམ་པ།



ཀ།

Ginger



ལམ་ཀ།

Bag



ཐིག་པ།

Drop

ཀ་

ཀ་

ཀ་

ཁ

འི་མ།

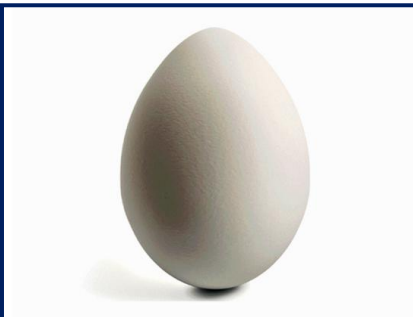
House

འོ་ཚགས་ནི།
 དཀའ་ནི་དཀའ་ནི།
 འོ་འུ་ཡག་འི་མ་འོང་རྒྱ།
 དཀའ་ནི་དཀའ་ནི།



ཁ།

Mouth



ཁ་ལུ་མ།

Egg



ཁ་མ།

Hen

ཁ

ཁ

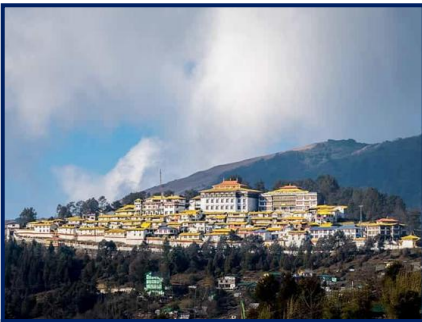
ཁ

ག

གོར།

Stone

ཆུ་གོ་ནང་དགོན་པ་སྒོར་ར་ཡ་དུམ།
 དགོ་ཆུ་སེ་ཁི་རིས་སེས་
 གཞོན་པ་ནང་སེའི་ཡ་དེར།



གོན་པ།

Monastery



གེ་ལེན།

Duck



གོ་ཅ།

Lock

ག

ག

ག

ང་

ངའི

Money

ང་ང་མོན་ཡུལ་རྟ་དབང་ཞེ་ང་ང་།
 ཚོས་སེམས་ཞེག་གེན་ཡོར་ཡོར་ཞོམ།



ང་ཟར།

Sickle



ངས།

Pillow



ཞོབ་ཚང།

Nest

ང་

ང་

ང་

ཅ་

ཅན

Tiger

ཕྱ་ཕྱག་སྐམ་བྲིས།
སེམ་ཅན་ཅན་བྲིས།



ཅ་ལག།

Items



ཕྱག་སྐམ།

Iron bridge



མ་ཅི།

Brother

ཅ་

ཅ་

ཅ་

ཆ'

ཆམ།

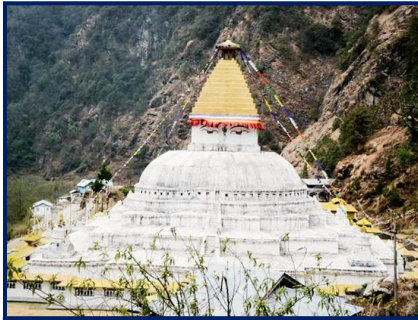
Dance

འཆམ་བོ་རོགས་སེ།
དེམ་རེ་ཡག་སེ།
བག་ཕྱིས་བདེ་ལེགས་བྱས་སེ།
ཆེ་མར་སྐྱལ་སེ།



ཆུ་ཆེན།

Hot spring



མཆོར་དེན།

Stupa



བཆུར་ཀམ།

Sweet

ཆ'

ཆ'

ཆ'



Tea

འཇམ་མཁའ་ལྷན་ཚོང་པ་ལུང་སེམས་བྱུ།
བོད་དུ་མར་ནས་དར་བྱགས་ཡིན།



བེམ་ཀ་ར།

Sugar



ཇུག་ཅགས།

Strainer



ཐུན་མེད།

Jandong



ཉ་

ཉ།

Fish

ཀྱ་ཐང་གུ་མི་ནང་ནི་ཉ་པ་ཡག་སེ།
ཀྱ་མཚོ་ནང་གུ་ཉ་ནང་ཤོང་སེ་ནི།



བཞི་དུ།

Umbrella



ཉ་པ།

Fisherman



བཞི་མ།

Sun

ཉ་

ཉ་

ཉ་

ད

ཏེ

Horse

ཏ་དབང་ཀ་ཏ།
ཏ་ཆོད་དུ་ཏྱ་བ་ཅེ།



ཏ་དབང།

Tawang



ཏྱ།

Cooked rice



ཏྱེག་ཏྱེར་མ།

Grasshopper

ད

ད

ད

ཐ་

ཐུག་པ།

Noodle

ཐུག་པ་རིང་ཐུག་པ་ཆོག་གོན།
ཏྲ་དབང་དགོན་པ་ཁྱ་
ཐབ་ཆང་ང་ཐབ་གྲུམ།



ཐུག་པ།

Rope



ཐབ་ཆང།

Kitchen



ཐ་ལམ།

Pomegranate

ཐ་

ཐ་

ཐ་

ད

ད།

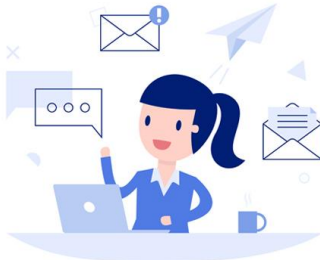
Drum

དེ་ཤི་གནམ་གཙང་ནི།
ད་ལྷ་ང་དང་དུས་ཚོད་ལོ་ལྟེ།
དལ་དུང་དུང་ངེ་སེ་ཆེག་ཅུ།
བད་ལེན་བེཅུ།



བདམ་ར།

Garden



བད་ལེན།

Message

ད་

ད་

ད་

ད་

ན་

ནེ་ལའ།

Ear

ནགས་ནིང་ང་ག་ནོམ་དུང་མང་ང།
 ཚོ་རུ་ནང་སེ་ནོར་དམ་པ།
 ཡ་གོན་སྤྱོདེར།



མ།

Nose



ནོར།

Cattle



ཡ་གུན།

Cucumber

ན་

ན་

ན་

པ་

པིན།

Glue

པ་ར་འོང་ནི་པ་ར་འོང་ནི་ལྷུ་མ་ར་ནིང་ང་།
 ལྷགས་ཐུ་ལྷགས་ཐུ་ཨ་པ་ང་དང་ལྷུ་མ་ར་
 རིང་ང་ལྷགས་ཐུ།



པ།

Clothes



རྩིམ་པོང་།

Nail



ཨ་པ།

Father

པ་

པ་

པ་

ཕ་

ཕན།

Flag

ཕ་མ་སྤྱན་ཚན་འཛོམས་སེ་ནི།
 ཕོ་མང་ང་ཕ་དར་རེ་ཀ་མི་མང་འཛོམས་སེ།
 རི་ཚེ་ཀ་ཕན་ཤོར་སེ་སེམས་ཁ་སྤྱག་བསྐྱལ་
 མོན་ཅུ།



ཕོ།

Cave



ཕ།

Pig



ཕ་ཇར།

Waterfall

ཕ

ཕ

ཕ་

བ་

བ།

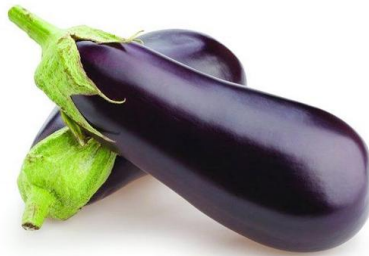
Cow

བན་དོ་ཨ་ཅེ་བན་དོ་ཨ་ཅེ།
 ག་ཅེ་གའི་དུ་ལོ།
 བྱ་ཚ་བྱར་མིན་ནང་བྱུང་ལ།
 བན་དོ་ཨ་ཅེ་ག་བ་ནང་བན་དོ།
 བྱུང་སེ་འོང་དེར་ཤོ།



བྱར་མིན།

Girl



བན་དུ།

Brinjal



བྱམ་ག།

Pumpkin

བ་

བ་

བ་

མ་

མུ།

Mushroom

མུ་མུ་ཁ་མུ་ཁ་མུ་ཁ་མུ་ཁ་མུ་ཁ།
 ཨ་མ་ནིང་མུ་ཁ་པ་ནང་ཤད་མི་ངེ་རི་སི་བྱ་ན།
 མུ་ཁ་ཁང་ང་འོང་བྱུང་ཤོ་མུ་དམ་པ།



མུ་ན།

Medicine



མུ་ན་ཁང།

Hospital



མུ་མ།

Oil

མ་

མ་

མ་

ཅ

ཅང།

Onion

ཅང་མགོ་ཐེ་རྒྱུ་མ་སེས་ཁོར་ནི།
རྒྱུ་མ་བཅོན་ཁང་ཀ་ཅུར་ད།



ཅོན་ཁང།

Prison



ཅོན་མ།

Mole



ཐེ་ཅ།

Spinach

ཅ

ཅ

ཅ

ཆ་

ཆོ།

Salt

ཆ་མོན་ལམ་མོན་རུ།
ཆོ་མོན་ན་མི་ཆོ་མོན་རུ།



ཆོ་མ།

Twins



ཆོར་རྟམ།

Broom



ཆོ།

Water

ཆ་

ཆ་

ཆ་

ཇོ་

ཇོ་མ་གླིང་།

Earth

ཇོ་མ་གླིང་ལ་ཇོ་མ་གླིང་མི་ཀ
ང་དང་གང་དེ་ལ་ཇོ་མ་གླིང་ལྷ་
སྐྱེ་བ་བཟང་དེ་ཡིན།



ཇོ་མ་

Snack



ཇོ་མ་

Nail

ཇོ་

ཇོ་

ཇོ་

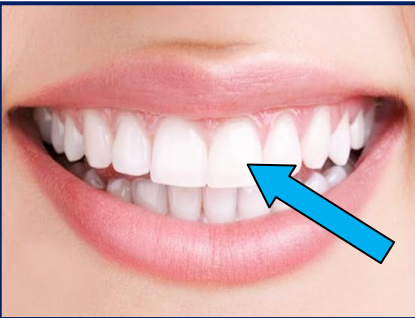
ཇོ་

ཕ་

ཕ་མ་

Bear

ཕ་མ་གྱི་ཕ་མ་མེས་པོ་
ཕ་མ་ཡིན་པའི་ཕ་མ་མེས་པོ་
ཕ་མ་ཡིན་པའི་ཕ་མ་མེས་པོ་



ཕ་མ་

Tooth



ཕ་མ་

Coriander



ཕ་མ་

Moon

ཕ་

ཕ་

ཕ་

ཞ

ཞམ།

Hat

ཞའི་ཞམ་ལུམ་སེ་ག་ཞང་བུད་སེ།
 ཞའི་ག་ཞང་རྩེ་ག་ཞམ་ཐེ་ནི།



ཞམ།

Cat



ཞབ།

Bird



མ་ཁྱ་ཞ།

Peacock

ཞ

ཞ

ཞ

བ་

ཟམ།

Bridge

མོ་མོ་བཀ་མོ།
བཀ་མོ་ལུ་ཤེང་མོ་ལུ།



ཟམ་བ།

Stinky leaf



བཀ།

Dough

བ་

བ་

བ་

བ་

འ་

འ་མ།

Milk

འ་མ་ཐོང་ང་འ་མ་ཐོང་ང་།
ཨོ་རྒྱ་ནང་འ་མ་སེ་དོ་སེ་ཟླ་མ་ཤོ།



འ་མ།

Rabbit



མེ་འ།

Fire

འ་

འ་

འ་

འ་

ཡ་

ཡེང་།

Sheep

ཡེང་ནིང་གཡག་ཞོར་གང་པོ།
ང་དང་གུ་ལུང་པ་ཀ་ནི།
ང་དང་བསོད་ནམས་ཅན་ནི་ཤོ།



ཡེར་།

Wild pepper

ཡ་

ཡ་

ཡ་

ཡ་

ཡ་

ར་

མེ།

Bamboo

རུས་ཁོ་རྩོང་རྒྱ་རྩོང་མགྲོགས་མཐའ།
 ར་འབའ་རད་རྒྱ་རྩོང་འཛེམ་མཐའ།
 གོན་པ་ཀུ་པན་ཤེང་རྩོང་མཐའ།



ར།

Goat



རྩོང།

Drain



རྒྱ་ར།

Cheese

ར་

ར་

ར་

ལ་

ལ།

Mountain

ལ་ལེམ་ཐང་དགུ་ནི།
ལེ་མེན་རིམ་བུ་སེ་ལས་འོང་པ་མོན།



ལེ་མེན།

Leg



ལེམ་ནང།

Road



ལང།

Farm

ལ་

ལ་

ལ་

ཤ་

ཤམ་མཁམ།

Toy

ཤོ་ཤམ་ཁྱུ་ཀེ་ན་དུས་ཚོང་ལོ་མ།
ཤ་ཁྱུ་ཁྱེ་ན་རུབ་ལོ་མ།



ཤ།

Meat



ཤོ།

Dice



མཐང་ཤིང།

Deodar tree

ཤ་

ཤ་

ཤ་

ས་

སེར།

Gold

སེབ་གསེར་ས་ནིང་ང་ལོང་།
སེམས་གསེར་རང་ཤ་ལོམ།



ས་ཆ།

Land



ལྷོ་སེར།

Socks

ས་

ས་

ས་

ས་

ད

དལ

Vessel

དལ་ང་སྒྲ་ཆས་ཨ་མ་སེས་ཐད་དེ།
སྒྲུ་ཀ་སྒྲ་ཨ་པ་སེས་ཐད་དེ།
སྒྲ་ལམ་ཤོག་དལ་གི་ནི་ཤོ།



དང་པ་ལེཔ།

Spider



སྒྲ་མ།

Monk

ད

ད

ད

ད

མེ་

མེ་མ།

Mother

མེ་ཁ་མེ་ཁ་ཉལ་བུལ།
ལ་འདའི་གོ་རུམ་ཤོག།



མེ་བུམ།

Corn



མེ་ཀ།

Crow

མེ་

མེ་

མེ་

མེ་

པོ་ད་གྲང་ཅ།

༡	གཞི།		1
༢	ཆེ་ཆེ།		2
༣	གསུམ།		3
༤	བཞི།		4
༥	ལྔ།		5
༦	དྲུག་།		6
༧	ལྔ་ལྔ།		7
༨	ཁྲི་དང་།		8
༩	དུ་དགུ།		9
༡༠	ཅི།		10

༡༡	ཅི་ཐེ།		11
༡༢	ཅི་ནི་འི།		12
༡༣	ཅི་གསུམ།		13
༡༤	ཅི་བེལ།		14
༡༥	ཅི་ལང་།		15
༡༦	ཅི་གོ་ར།		16
༡༧	ཅི་ནི་སྒྲ།		17
༡༨	ཅི་བྱེད།		18
༡༩	ཅི་དུ་དགྲ།		19
༢༠	ཁིལ།		20

མོ་ད་ངའ་དང་ཐེ་ནིའི་བྲིམ།

༡	༡	༡	༡	
༢	༢	༢	༢	
༣	༣	༣	༣	
༤	༤	༤	༤	
༥	༥	༥	༥	
༦	༦	༦	༦	
༧	༧	༧	༧	
༨	༨	༨	༨	
༩	༩	༩	༩	
༡༠	༡༠	༡༠	༡༠	

ཨིང་ལིཤ། ཀ་ཁ་།
(English Alphabet)

A	B	C	D	E
F	G	H	I	J
K	L	M	N	O
P	Q	R	S	T
	U	V	W	
	X	Y	Z	

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala 

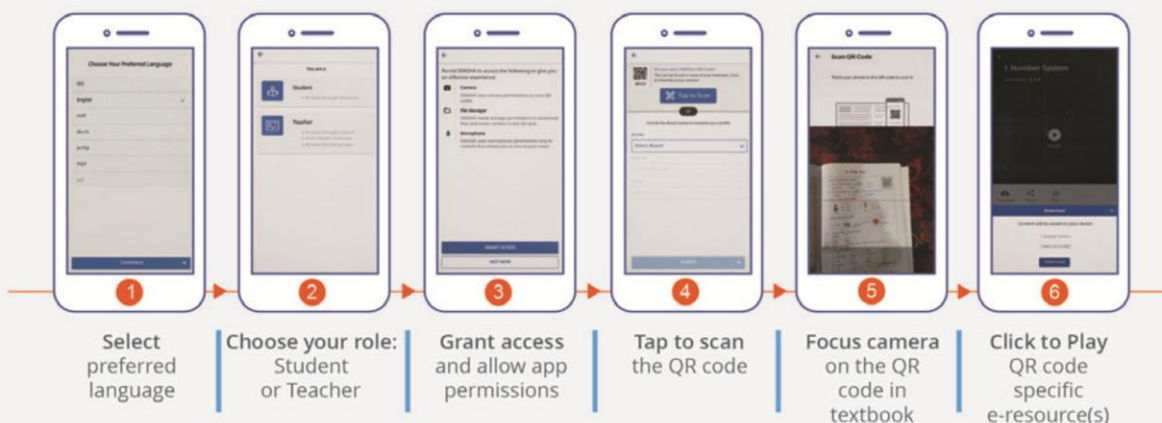


For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://epathshala.nic.in/topics.php> and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA** 



For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://diksha.gov.in/resources> and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SŪMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAO	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHLE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PŪ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCOWRY (MŌŪT)	104	TELUGU

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (18)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI	109	HINDI	113	PAITE	117	SINDHI	121	ZEME (ZEMI)
106	CHOKRI	110	KASHMIRI	114	SANGTAM	118	THADOU-KUKI	122	ZOU
107	GANGTE	111	KOKBOROK (TRIPURI)	115	SANSKRIT	119	URDU		
108	GONDI-TELUGU	112	LAI (PAWI)	116	SANTALI (JHARKHAND)	120	VAIPHEI		



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006

☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016

☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in